an>

Title: Need to instruct NGT to withdraw the decision to accept the petition in English languages only.

**श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) :** माननीय अध्यक्ष जी, एनजीटी ने फैसला लिया है कि अब सारी पेटिशन अंग्रेजी में स्वीकार की जाएंगी। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस विÂषय की ओर दिलाना चाहता हूं। मेरा मानना है कि यह संविधान की भावना के प्रतिकूल है और राजभाÂषा, जिसके लिए सदन और सरकार हमेशा प्रतिबद्धता दिखाती रही है, उसके भी विरुद्ध है। ...(व्यवधान) एनजीटी न सिर्फ राजभाÂषा में काम करे बल्कि स्थानीय भाÂषाओं को भी अनुमति देनी चाहिए, न कि उसे यह कहना चाहिए कि सिर्फ अंग्रेजी में पेटिशन सुनी जाएंगी। ...(व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि एनजीटी से इस बारे में संवाद करे कि वह राजभाÂषा को ध्यान में रखे और स्थानीय भाÂषा में पेटिशन स्वीकार करे। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष:**

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री निशिकान्त दुबे,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री गोपाल शेट्टी,

डॉ. किरीट पी. सोलंकी और

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को श्री पूहलाद सिंह पटेल द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति पूदान की जाती है।

**श्री लक्ष्मी नारायण यादव (सागर):** माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। माननीय सदस्य पूहलाद पटेल जी ने जो पूश्न उठाया है, मैं इस विÂषय में उनकी भावनाओं के साथ अपनी भावनाएं जोड़ते हुए सहयोग पूदान करता हूं। ...(व्यवधान)